मनुष्य एक बुद्धिमान प्राणी है। बुद्धिमान होने के कारण वह अन्य प्राणियों से श्रेष्ठ माना जाता है। बुद्धि का महत्वपूर्ण होते हुए भी बुद्धि के विषय में मनोवैज्ञानिकों का मत अलग-अलग हैं। वास्तव में, बुद्धि एक अमूर्त तत्व है जिसे हाथ से छूकर अथवा आँख से देखकर समझा नहीं जा सकता है वरन् इसे व्यक्ति के व्यवहार को देखकर ही जाना जा सकता है। जिस प्रकार ईमानदार व्यक्ति के व्यवहार में ईमानदारी झलकती है या सुन्दर महिला को देखने पर सुन्दरता का आभास होता है, उसी प्रकार बुद्धिमान व्यक्ति के कार्यों से बुद्धि परिलक्षित होती है। बौद्धिक विकास को ही मानसिकता से सम्बन्धित मानते हैं।

फ्रीमैन एवं अन्य विद्वानों द्वारा प्रस्तुत बुद्धि की परिभाषा को चार भागों में बाँटा गया है। बुद्धि की परिभाषाएँ अनगिनत कही जायें तो कम नहीं है क्योंकि मनोवैज्ञानिक इस सम्बन्ध में एकमत नहीं हैं।

वातावरण के प्रति अभियोजन की योग्यता

स्टर्न के अनुसार, "नवीन परिस्थितियों में अपने विचारों को अभियोजित करने की एक सामान्य शक्ति बुद्धि है।"

"Intelligency is a general capacity of the individual consciously to adjust the thinking to new requirement." —*Stern*

क्रूज के अनुसार, "बुद्धि नयी तथा भिन्न परिस्थितियों में समुचित रूप में समायोजन की योग्यता है।"

"Intelligency is the ability to adjust adequately to new and different situation."

वर्ट के अनुसार, "बुद्धि अपेक्षाकृत नयी परिस्थितियों में समुचित रूप से समायोजन करने की क्षमता है।"

"Intelligency is the innate capacity to adopt relatively to new situations." —*Burt*

सीखने की योग्यता

बकिंघम के अनुसार, "सीखने की योग्यता बुद्धि है।"

"Intelligency is the ability to learn." —*Buckingham*

कॉलविन के अनुसार, "यदि व्यक्ति ने अपने वातावरण से सामंजस्य करना सीख लिया है या सीख लेता है तो उसमें बुद्धि है।"

"An individual possesses intelligence in so far as he has learned, or can learn to adjust himself to his environment." —*Colvin*

अमूर्त चिन्तन की योग्यता

टरमन के अनुसार, "अमूर्त चिन्तन की योग्यता ही बुद्धि है।"

"Intelligency is ability to think abstractly." —*Terman*

बिनेट के अनुसार, "किसी समस्या को समझना, उसके विषय में तर्क करना तथा किसी निश्चित समय पर निर्णय पर पहुँचना बुद्धि की आवश्यकता क्रियाएँ हैं।"

"To judge to comprehend well, to reason well, these are the essential activities of intelligency." —*Binet*

उपर्युक्त परिभाषाओं के समन्वय तथा विस्तृत रूप प्रदान करने वाली परिभाषाएँ निम्नवत् हैं–

1. **वेश्लर** के अनुसार, "बुद्धि व्यक्ति की सम्पूर्ण शक्तियों का योग या सार्वभौमिक योगयता है जिसके द्वारा वह उद्देश्यपूर्ण कार्य करता है, तर्कपूर्ण ढंग से सोचता है तथा प्रभावपूर्ण ढंग से वातावरण के साथ सम्पर्क स्थापित करता है।"

"Intelligency is the aggregate as global capacity of the individual to act purposefully, to think rationally and deal effectively with his environment."
—*Wecshler*

फ्रायड के अनुसार, "शीघ्र अधिगमन अथवा अधिगमन धारणा की योग्यता बुद्धि है।"

"Intelligency is sometimes described as the ability to learn quickly and retain learning."
—*Freud*

स्टोडर्ड के अनुसार, "बुद्धि वह मानसिक योग्यता है जिसके द्वारा इस प्रकार की क्रियाओं को क्रियान्वित किया जाता है जिसमें कठिनाई, जटिलता, अमूर्तता, मितव्ययिता सोद्देश्यता, सामाजिक महत्ता, मौलिकता होती है। इन क्रियाओं को सम्पादित उन स्थितियों में करते हैं जिनमें व्यक्ति के केन्द्रीयकरण एवं संवेगात्मक प्रभावों का विरोध अपेक्षित होता है।"

"Intelligency is the ability to undertake activities that are characteristics by difficulty, complexity, abstractness, economy, adoptiveness to goal social value and the emergence of originals and to maintain such activities under conditions that demand a concentration of emergy and a resistance to emotional forces."
—*Stoddard*

बुद्धि एक सामान्य योग्यता तथा विभिन्न मानसिक योग्यताओं का समन्वय है जो व्यक्ति को व्यावहारिक जीवन में सफल होने में सहायक सिद्ध होता है। **वुडवर्थ** के अनुसार, बुद्धि की व्याख्या इस प्रकार की गई है–

1. अतीत के अनुभवों का प्रयोग। (Use of Past Experience.)
2. नवीन परिस्थितियों का समायोजन है। (Adaptation to a Novel Situation.)
3. कार्यों को विशाल दृष्टिकोण से देखना। (Viewing Actions from a Broader point of View.
4. परिस्थितियों का समझना। (Seeing the Point.)

बुद्धि की विशेषताएँ (Characteristics of Intelligency)

1. बुद्धि व्यक्ति की जन्मजात शक्ति है। यह वंशानुक्रम से प्राप्त होती है।
2. बुद्धि सीखने की क्षमता है।
3. बुद्धि अतीत के अनुभवों से लाभ उठाने की योग्यता है।
4. बुद्धि विभिन्न योग्यताओं का पुंज है।
5. बुद्धि के द्वारा व्यक्ति कठिनाइयों को दूर करके परिस्थिति के अनुसार अपने को समायोजित करता है।
6. बुद्धि अमूर्त चिन्तन की योग्यता है अर्थात् बुद्धि के द्वारा जो अप्रत्यक्ष है, उसके बारे में चिन्तन किया जा सकता है।
7. बुद्धि के द्वारा अर्जित ज्ञान का नवीन परिस्थितियों में उपयोग किया जा सकता है।
8. बुद्धि किसी समस्या को समझने या समाधान करने में सहायक होती है।
9. बुद्धि में आत्म-निरीक्षण की क्षमता होती है। व्यक्ति द्वारा किये गये अच्छे-बुरे कार्यों व विचारों की आलोचना बुद्धि स्वयं करती है।
10. बुद्धि का विकास जन्म से लेकर किशोरावस्था के मध्यकाल तक होता है।